गौरी के नंदा गजानन गौरी के नन्दा लिरिक्स

॥ श्लोक ॥

गजानंद आनंद करो,
दो सुख सम्पति में शीश,
दुश्मन को सज्जन करो,
निवत जिमावा खीर ।

सदा भवानी दाहिनी,
सनमुख रहत गणेश,
पाँच देव रक्षा कर,
ब्रम्हा विष्णु महेश।

विघ्न हरण मंगल करण,
गणनायक गणराज,
रिद्धि सिद्धि सहित पधारजो,
म्हारा पूरण कर जो काज ॥

॥ भजन ॥

गौरी का नंदा गजानन,
गौरी का नन्दा,
म्हन बुद्धि दीजो गणराज गजानन,
गौरी का नन्दा ॥

पिता तुम्हार है शिव शंकर,
मस्तक पर चँदा,
माता तुम्हारी पार्वती,
ध्याव जगत बन्दा,
म्हारा विघ्न हरो गणराज गजानन,
गौरी का नंदा ॥

मूसक वाहन दुंद दुन्दाला,
फरसा हाथ लम्बादा,
गल वैजंती माल विराज
चढ़ पुष्प गंधा,
म्हन बुद्धि दीजो गणराज गजानन,
गौरी का नंदा ॥

जो नर तुमको नहीं सुमरता,
उसका भाग्य मंदा,
जो नर थारी कर सम्भना,
चल रिजक धंधा,
म्हारा विघ्न हरो गणराज गजानन,
गौरी का नंदा ॥

विघ्न हरण मंगल करण,
विद्या वर दाणादा,
कहता कल्लू राम भजन स
कट पाप फंदा,
म्हन बुद्धि दीजो गणराज गजानन,
गौरी का नंदा ॥

गौरी का नंदा गजानन,
गौरी का नन्दा ,
म्हन बुद्धि दीजो गणराज गजानन,
गौरी का नन्दा ॥

https://allbhajanlyrics.com/gauri-ke-nanda-gajanand-gauri-ke-nanda-lyrics/